आकाशवाणी, गोरखपुर

दिनांक–05 सितम्बर 2026 सान्ध्य समाचार

देश भर में आज शिक्षक दिवस मनाया जा रहा है। हर साल पांच सितम्बर को देश के दूसरे राष्ट्रपति और महान शिक्षाविद डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्मदिवस को शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने आज नई दिल्ली में राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार–दो हजार छब्बीस समारोह में उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों को सम्मानित किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के जरिए विकसित भारत का लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। राष्ट्रपति ने कहा कि जो समाज अपने शिक्षकों का सम्मान करता है, वह सही मायनों में प्रगतिशील समाज होता है।

हम सब देशवासी विकसित भारत के निर्माण के लक्ष्य की ओर आगे बढ़ रहे हैं। विश्वस्तरीय शिक्षा व्यवस्था के बल पर विकसित भारत का निर्माण संभव है। हमारे शिक्षक, शिक्षा व्यवस्था में प्राण वायु का संचार करते हैं। हमारा यह प्रयास होना चाहिए कि हमारे देश में एक भी विद्यार्थी अच्छी शिक्षा के अवसर से वंचित न हो।

समारोह में सत्ताइस राज्यों, सात केंद्र शासित प्रदेशों और केंद्र सरकार के छह संगठनों के स्कूलों से चुने गए अड़तालीस शिक्षकों को ये पुरस्कार दिए गए। इनमें प्रदेश के भी पांच शिक्षक शामिल हैं।

गोरखपुर में शिक्षक दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बेसिक शिक्षा विभाग और माध्यमिक शिक्षा विभाग के इक्यासी शिक्षकों को सम्मानित किया। साथ ही वर्ष दो हजार पच्चीस के लिये राज्य अध्यापक पुरस्कार और मुख्यमंत्री अध्यापक पुरस्कार भी प्रदान किए। शिक्षकों को बधाई देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षक केवल पाठ्यक्रम पूरा कराने वाला नहीं, बल्कि विद्यार्थियों को सही दिशा देने वाला मार्गदर्शक है। उन्होंने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल अच्छे अंक प्राप्त करना नहीं, बल्कि बच्चों में अनुशासन, संवेदनशीलता और जिम्मेदारी की भावना विकसित करना भी है।

विद्यार्थियों की शिक्षा के लिए गुणवत्तापूर्ण माहौल वहां पैदा हो, उस प्रकार की शिक्षा वहां दी जा सके, इसके लिए अनेक कार्य किए गए।आपने देखा होगा कि इसके लिए सरकार के स्तर पर ऑपरेशन कायाकल्प से लेकर के निपुण भारत अभियान, ये सभी कार्यक्रम व्यवस्थित रूप से आगे बढ़े। अब केवल दूसरी क्लास में निपुण भारत अभियान नहीं चलेगा, बल्कि पांचवीं क्लास तक चलेगा और उसके बहुत अच्छे परिणाम आ रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने शिक्षकों से बदलती तकनीक और समय की जरूरतों के अनुरूप खुद को अपडेट करने का आह्वान किया।

****

राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी ने यूजीसी–नेट जून–दो हजार छब्बीस के अंग्रेजी, वाणिज्य और समाजशास्त्र विषय की पुर्नपरीक्षा के लिए प्रवेश पत्र जारी कर दिए हैं। अंग्रेजी की परीक्षा नौ सितंबर को सुबह नौ बजे से दोपहर बारह बजे तक होगी। वाणिज्य की परीक्षा उसी दिन दोपहर तीन से शाम छः बजे तक होगी। समाजशास्त्र की परीक्षा दस सितंबर को सुबह नौ से दोपहर बारह बजे तक होगी। इन तीनों विषयों की परीक्षा प्रश्न–पत्र में कुछ गलतियों की शिकायतों के बाद दोबारा आयोजित की जा रही है।

****

सहकारिता मंत्री जेपीएस राठौर ने वाराणसी में विभागीय समीक्षा बैठक के बाद मीडिया से बातचीत में कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश के सहकारिता क्षेत्र को नई ऊर्जा मिली है। उन्होंने बताया कि रिजर्व बैंक द्वारा लाइसेंस निरस्त किए गए सोलह जिला सहकारी बैंकों को पुनः संचालित कर के मुनाफे में पहुंचाया गया है। इन बैंकों के माध्यम से किसानों को कम ब्याज दर पर फसल ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है। मंत्री ने कहा कि साधन सहकारी समितियों और पैक्स के जीर्णोद्धार, कंप्यूटरीकरण और सोलर पैनल लगाने से खाद के वितरण की व्यवस्था मजबूत हुई है। बैठक में आगामी धान और गेहूं खरीद की तैयारियों की भी समीक्षा की गई।

****

प्रदेश भर में रूक–रूक कर बारिश का सिलसिला जारी है। मौसम विभाग के अनुसार पूर्वी उत्तर प्रदेश में अगले छः दिनों तक जबकि पश्चिमी उत्तर प्रदेश में आगामी तीन दिनों तक बारिश का यह क्रम जारी रहेगा। उधर, भारी बारिश और बैराजों से पानी छोड़े जाने के कारण अयोध्या, वाराणसी, आजमगढ़, बलिया, गोरखपुर, लखीमपुर खीरी, चित्रकूट और बाराबंकी सहित छब्बीस जिले बाढ़ से प्रभावित हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर बाढ़ग्रस्त इलाकों में राहत और बचाव अभियान लगातार जारी है। बाढ़ राहत आयुक्त के अनुसार राहत और बचाव तंत्र की सक्रियता से लगभग बहत्तर हजार बाढ़ राहत किट और साढ़े तीन लाख से अधिक प्रभावित लोगों को लंच पैकेट वितरित किये जा चुके हैं। इसके अलावा सत्रह हजार से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा चुका है। राहत से लेकर स्वास्थय सेवाओं तक व्यापक इंतजाम किये गये हैं।

****